4:57
chve101....
ncert.nic.in

1

सीखो

आनंदमयी कविता

फूलों से नित हँसना सीखो, भौंरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से नित, सीखो शीश झुकाना।

सीख हवा के झोंकों से लो, कोमल भाव बहाना।
दूध तथा पानी से सीखो, मिलना और मिलाना।

सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना।

दीपक से सीखो जितना, हो सके अँधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की, सच्ची सेवा करना।

जलधारा से सीखो आगे, जीवन-पथ में बढ़ना।
और धुएँ से सीखो हरदम, ऊँचे ही पर चढ़ना।

– श्रीनाथ सिंह

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

बातचीत के लिए

1. आपको इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

LIVEWORKSHEETS